भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 484

जिसका उत्तर दिनांक 07.12.2023 को दिया जाना है

देश में परमाणु ऊर्जा क्षेत्र की स्थिति

484 डा. सस्मित पात्रा :

क्या **प्रधानमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत में परमाणु ऊर्जा की वर्तमान क्षमता और इसका विद्युत आपूर्ति में योगदान कितना है;

(ख) क्या सरकार देश के निवल शून्य कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए परमाणु ऊर्जा का उपयोग करने की योजना बना रही है;

(ग) क्या सरकार परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी निवेश पर विचार कर रही है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह) :

(क) मौजूदा संस्थापित नाभिकीय विद्युत क्षमता 7480 मेगावाट है और देश के कुल बिजली उत्पादन में योगदान लगभग 2.9% (2022-23 में) है।

(ख) नाभिकीय ऊर्जा 24X7 उपलब्ध आधार भार ऊर्जा का स्वच्छ और पर्यावरण-अनुकूल स्रोत है। नाभिकीय क्षमता विस्तार कार्यक्रम शुद्ध शून्य के लक्ष्य की दिशा में देश के ऊर्जा परिवर्तन को प्राप्त करने का एक साधन है। इस संदर्भ में, वर्ष 2031-32 तक नाभिकीय विद्युत क्षमता को 7480 मेगावाट से 22480 मेगावाट तक बढ़ाने का एक विस्तार कार्यक्रम कार्यान्वयनाधीन है। सरकार ने भविष्य में नाभिकीय विद्युत संयंत्र स्थापित करने के लिए पांच नए स्थलों के लिए 'सैद्धांतिक' अनुमोदन भी दे दिया है।

(ग) व (घ) जी, नहीं, भारत सरकार ने घरेलू निवेश को बढ़ावा देने के लिए नाभिकीय विद्युत परियोजनाओं की स्थापना हेतु सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के संयुक्त उद्यम को सक्षम बनाने के लिए वर्ष 2015 में परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962 में संशोधन किया है।

* * * * *